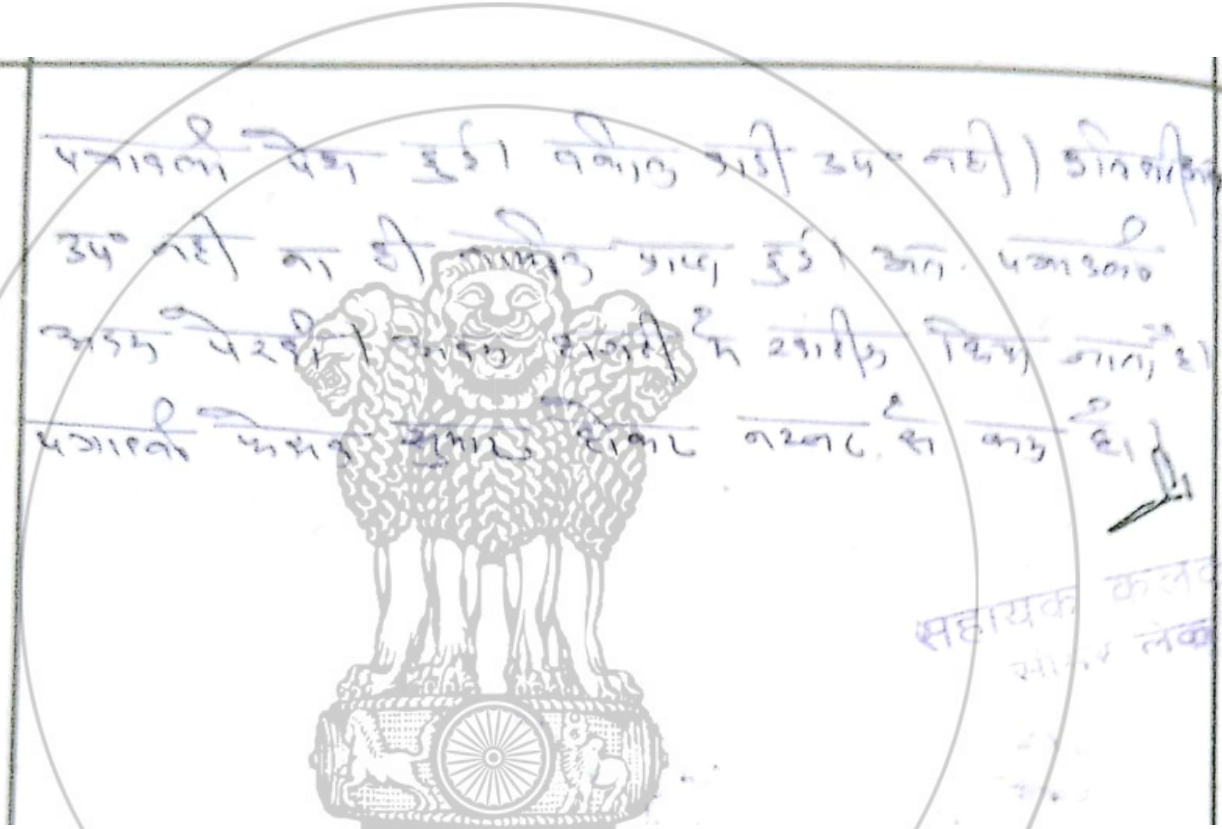

12/9/18	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उप० नहीं। प्रतिवादी उप० नहीं न ही कोई आपत्ति प्राप्त हुई। अतः पत्रावली अदम पैरवी। अतः वाद खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर की जाये।

सहायक कलक्टर

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Scanned by CamScanner